## राजस्व विभाग युद्ध जागीर दिनांक 13 सितम्बर, 1982

क्यांक 1348-ज(II)-82/32037 -- श्री हकारी राम, पुत श्री भी सिंह, गांव जमालपुर, तहसील व विला पुड़गांवा, को दिवांक 28 जुताई, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीवित्यम, 1948 (जैसा कि जसे हरियाणा राज्य में प्रपत्ताया गया है और उस में श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रीवित्त की गयी शक्तियों का श्रयोग करते हुए श्री हजारी राम को मुन्तिग 150 रुपये श्रीवित्त की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रीवसूचना कमांक 5086-ए-(III)-70/23505, दिनांक 24 सितम्बर, 1970 तथा श्रीवसूचना कमांक 5041-श्राए-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई श्री, श्रव एस की विधवा श्रीमती चन्द्रवती के नाम रबी, 1981 से 300 रुपये वाचिक की दर से सनद में दी गयी शर्तों के सन्तर्गत प्रदान करते हैं।

## दिनांक 24 सितम्बर, 1982

कर्माक 1445 व-II-82/33625. पूर्वी पंजाब युद्ध पुषस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में धपनाया गया है और उसमें आज तक संबोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सींचे गए प्रधिकारीं का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री हरफूल सिंह, पुत्र श्री चन्दन सिंह, गांव किलोई, तहसील व जिला रोहतक, को रबी, 1976 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से वार जागीर सन्द्र में दी गई शतों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

## दिनांक 29 सितम्बर, 1982

ऋमांक 1516-स (I)-82/34176.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार स्रिधित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें माज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सीपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री दरगाह सिंह, पुत्र श्री मल सिंह, गांव कोडवां कलां, तहसील नारायणगढ़, जिला प्रस्वीला को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शती के धनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

चर्मां 1504-ज(I)-82/34180.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार घिष्टित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाना राज्य में घरनाया गया है धीर उसमें घाज तक संतोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के धनुसार सींचे भए प्रविकारों का प्रयोग करते हुए हरियाना के राज्यवाल जीमती दमोदरी देवी, विधवा भी नायूराम, निवासी बलदेवनगर सहबील व जिला प्रम्वाला, को रवी, 1973 से करी ह, 1979 तक 150 क्यें वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 क्यें बार्षिक की मत

कर्मांस 1518-ज(I)-82/34184.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियोणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ग्राज तम संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तया 3(1) के श्रृतुसार सोंगे गए श्रिष्ठमारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती शेशरी देवी, बिघवा श्री भ्रमी चन्द, गांव धनकौर, तहसील व जिला ग्रम्बाला, को रबी 1979 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के श्रृतुसार सहबं प्रदान करते हैं।

क्यांस 1513-ज-I-82/34188.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें प्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींचे गये अधिकारों का अयोग करते हुवे हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती वाश देवी, विधवा श्री अमोलक राम, गांव सदौरा, तहसील नारायणगढ़, विला अपनाला को खरीफ, 1977 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वाष्टिक तथा रुवी, 1980 से 300 रुपये वाष्टिक कीमत की युद्ध नागीर सन्द में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

## मृद्धि-पत दिमांक 30 सितम्बर, 1982

कमीस 1284-ज-I-82/34444. — हरियाणा सरकार राजस्व विभाग द्वारा नारी की गई प्रधिसूचना कर्माक 570-ज-I-82/16977, दिनांक 17 मई, 1982 जो हरियाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 22 जून, 1982 को प्रकाशित हुई है, की तीसरी करार में "श्री काहना राम" की बज़ाये "श्री कान्हाराम" यदा जाये !